

हिन्दी विजय ग्रन्थमाला प्रथम पुष्प ।  
*Raja Sahib Singh*

## श्री महावीर जयिन् विस्तार ।

अनुवादक,

ताराचंद्र दोस्ती. एम. टी. डी.

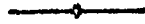
सम्पादक—“ हिन्दी विजय ग्रन्थमाला ”, “ लघु लेखमाला ”  
“स्वास्थ्य ग्रन्थाला”, “हिन्दी सिविल इंजीनियरिंग  
पुष्पमाला” आदि.



प्रकाशक—

बी. पी. सिंघी ।

मैनेजर, “ हिन्दी विजय ग्रन्थमाला ”  
सेक्रेटरी, हिन्दी संवर्द्धिनी समिति और  
श्री ज्ञान प्रसारक मंडल, सिरोही.—आबूरोड.



‘ जैनविजय ’ प्रिन्टिंग प्रेम—सूरत ।

[ प्रथमावृत्ति. ]

वीर निर्वाण सं० २४४४. जून १९१८ ई०



मूल्य—समितिके मेम्बरोंसे ॥), ग्रन्थमालाके ग्राहकोंसे ॥=),  
सर्व साधारणसे ॥।)

प्रकाशक—  
शुभूतमलजी सिंघी—आचूरोड़ ।



मुद्रक—  
सूलनन्द किसनदास कापड़िया,  
जैनविजय प्रिन्टिंग प्रेस,  
खपाटिया चकला, सूरत ।